आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 15.10.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रप्रयाग जिले के गुप्तकाशी में सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ किया। राज्य में सीमांत क्षेत्र विकास परिषद के गठन की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने चंपावत जिले में 115 करोड़ रुपए से अधिक की लागत की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।
- प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के 10 हजार छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग योजना का लाभ मिलेगा।
- टिहरी जिले के मुनकीरेती में दस दिवसीय सरस मेले का समापन। स्वयं सहायता समूहों ने ढाई करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री की।

बाल विज्ञान महोत्सव

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज रुद्रप्रयाग जिले के गुप्तकाशी में चतुर्थ सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों से आए बाल वैज्ञानिकों के साथ जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक जल संसाधन व संरक्षण, आपदा प्रबंधन, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, ऊर्जा संरक्षण आदि विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस भव्य आयोजन से प्रदेश के सीमांत जिलों के प्रतिभावान बाल वैज्ञानिकों को नई दिशा और अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को पारदर्शी और प्रभावी सेवाएं मिलें, इसके लिए अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने घोषणा की, कि सीमांत क्षेत्रों में सुविधाओं और सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य में सीमांत क्षेत्र विकास परिषद का गठन किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करने के साथ ही यूकॉस्ट की रुद्रप्रयाग डैशबोर्ड पुस्तक का विमोचन भी किया। इस जीआईएस आधारित रिमोट सिस्टम डैशबोर्ड पर विभिन्न विभागों की योजनाओं से जुड़ी सूचनाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री लोकार्पण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज चंपावत जिले में 115 करोड़ रुपए से अधिक की लागत की 43 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, चंपावत में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आदर्श चंपावत के सपने को साकार करने की दिशा में यह योजनाएं मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने कहा कि चंपावत जिला, उत्तराखंड की आत्मा है और सरकार इसे राज्य का "मॉडल जिला" बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता हर क्षेत्र में संतुलित और गुणवत्तापूर्ण विकास सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं के साथ बैठकर भोजन भी किया और उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा पढ़ाई के संबंध में फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने जीजीआईसी ऑडिटोरियम में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत आत्मनिर्भर भारत, नशामुक्त समाज, स्वच्छता, जल संरक्षण और आदर्श चंपावत के निर्माण के लिए डिजिटल हस्ताक्षर भी किए।

<u>मुख्यमंत्री संवाद</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज जिला पंचायत सभागार, चंपावत में प्रबुद्ध नागरिकों और वरिष्ठजनों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज के अनुभव, ज्ञान और मूल्यों के प्रतीक हैं। उनके अनुभव और आशीर्वाद से ही चंपावत आदर्श जनपद बनेगा और आदर्श चंपावत से ही आदर्श उत्तराखंड का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदर्श चंपावत केवल एक जिला नहीं, बल्कि "आदर्श उत्तराखंड" के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि चंपावत जिले के केवल सिप्टी क्षेत्र में ही 100 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं, जबकि पूरे जिले में इससे कहीं अधिक कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि अब तक उनकी ओर से की गई 306 घोषणाओं में से 196 पूरी की जा चुकी हैं, जबकि शेष पर तीव्र गति से कार्य चल रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठजनों ने जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के क्षेत्र में हो रहे सुधारों की सराहना की। उन्होंने पेंशन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और अपेक्षा जताई कि सरकार इसी संवेदनशीलता के साथ आगे भी कार्य करती रहेगी।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने आज सचिवालय में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग योजना की समीक्षा की। उन्होंने इस योजना की बेहतर गुणवत्ता, प्रतियोगियों का चयन स्क्रीनिंग के माध्यम से करने और प्रतियोगियों की सुविधा के अनुरूप तैयारी का प्रबंध करने के शिक्षा विभाग को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि निःशुल्क कोचिंग में किसी भी तरह की खानापूर्ति नहीं होनी चाहिए और इसका नतीजा जरूर निकलना चाहिए। उन्होंने इसके लिए शीघ्रता से सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में शिक्षा निदेशक, डॉ. मुकुल कुमार सती ने बताया कि इस वर्ष 10 हजार छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की निःशुल्क कोचिंग दी जानी है। कक्षा 11 में अध्ययनरत प्रतियोगियों को 2 वर्ष की कोचिंग दी जाएगी, जबकि 12वीं पास करने वाले प्रतियोगियों को एक वर्ष की कोचिंग दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कोचिंग आट्र्स, साइंस और कॉमर्स तीनों स्ट्रीम के अनुरूप दी जाएगी और इसमें लगभग सभी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। इसके अलावा मेधावी प्रतियोगियों को 6 महीने की एडवांस कोचिंग भी दी जाएगी।

सहकारिता मंत्री

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बागेश्वर में आयोजित सहकारिता मेले में आज विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सहकारिता विषय पर आधारित पुस्तक का विमोचन करने के साथ ही विभिन्न लाभार्थियों और समितियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए। डॉ. रावत ने कहा कि यह आयोजन सहकारिता आंदोलन को जन–जन तक पहुँचाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की मंशा है कि महिला स्वयं सहायता समूहों और किसानों के उत्पादों को स्थानीय स्तर से वैश्विक स्तर तक पंहुचाना है।

सरस मेला सम्पन्न

टिहरी जिले के मुनकीरेती में आयोजित दस दिवसीय सरस मेले का आज समापन हो गया। मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने बताया कि छह अक्टूबर से आयोजित सरस आजीविका मेले में देश के 17 राज्यों के स्वयं सहायता समूहों ने 175 से अधिक स्टॉलों लगाकर अपने उत्पादों की बिक्री की। इन स्टॉलों से ढाई करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री हुई। इनमें 15 ऐसे स्वयं सहायता समूह हैं, जिन्होंने डेढ़ से दो लाख रुपए से ज्यादा की बिक्री की है।

छड़ी यात्रा

हरिद्वार से शुरु हुई जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा ने आज बदरीनाथ धाम में पूजा–अर्चना और भगवान बदरी विशाल के दर्शनों के साथ गढ़वाल मंडल– केदारखंड का पहला चरण का समापन कर लिया है। आज सुबह पवित्र छड़ी भगवान बदरीनाथ के दर्शनों के लिए नागा संन्यासियों के जत्थे के साथ हर–हर महादेव के जय घोष के साथ बदरीनाथ धाम पहुंची। मार्ग में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र छड़ी के दर्शन किए और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यात्रा के मीडिया प्रभारी गोपाल रावत ने बताया कि पहले चरण में पवित्र छड़ी ने चारों धाम के दर्शनों के साथ ही पौराणिक तीर्थ धारी देवी मंदिर, त्रिजुगी नारायण, गुप्तकाशी, पांडुकेश्वर मंदिर, अनसूया मंडल, विष्णु प्रयाग आदि के दर्शन व पूजा अर्चना की। अब छड़ी यात्रा कर्णप्रयाग से कुमाऊं मंडल के दूसरे चरण की यात्रा प्रारंभ करेगी और ओम पर्वत आदि कैलाश पहुंचेगी।